The Tribune Page 4 1 February, 2019

Experts dwell on MSME in food processing

PALAMPUR, JANUARY 31

A day-long training programme-cum-conference on 'Medium, Small and Micro Enterprises (MSME) in Food Processing' was organised jointly by the Associated Chamber of Commerce and Industry in India (Assocham) and CSK Himachal Pradesh Agriculture University here on Thursday. Nearly 50 farmers from Kangra district, scientists and students from the College of Home Science participated in the conference. The conference was inaugurated by Dr SK Sharma, a former Vice-Chancellor. — OC

कृषि विवि में बताईं लघु और सूक्ष्म उद्योग लगाने की योजनाएं

पालमपुर में लगा जागरुकता शिविर, 50 किसानों ने लिया भाग

अमर उजाला ब्यूरो

कृषि विवि पालमपुर में जागरुक सम्मेलन में मौजूद अधिकारी। अमर उजाला

पालमपुर (कांगड़ा)। चौधरी सरवण कुमार कृषि विश्वविद्यालय में लघु और सूक्ष्म उद्योगों की स्थापना के लिए सरकार की योजनाओं पर एक दिवसीय जागरूकता सम्मेलन का आयोजन किया गया। आयोजन भारतीय एसोसिएटेड चेंबर ऑफ कॉमर्स और उद्योग (एसोचैम) खाद्य प्रसंस्करण के माध्यम से हुआ। इसमें कांगड़ा जिला के करीब 50 किसानों, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और गृह विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

विशेषज्ञों ने कार्यक्रम में प्रतिभागियों को खाद्य मूल्य श्रृंखला, खाद्य-प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना के बारे और आयात-निर्यात के बारे में जानकारी दी, ताकि वे कौशलता बढ़ाकर अपनी आय बढ़ा सकें। विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एसके शर्मा ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने खाद्य-प्रसंस्करण और कृषि उत्पादों के मूल्य संबर्धन से आय बढ़ाने पर बल दिया। शोध निदेशक डॉ. डीके वत्स ने उन प्रमुख फसलों के बारे में विस्तार से जानकारी दी, जिनका प्रसंस्करण करके उनका उत्पाद मूल्य संबंधित किया जा सकता है। कार्यक्रम में बैंक के मुख्य प्रबंधक हरविंद्र सिंह, राजेश कुमार और दीपांकर खरे ने विभिन्न खाद्य उद्योगों और उनके लिए बैंकों की ओर से दी जा रही सहायता पर विचार रखे। इस अवसर पर डॉ. संगीता सूद ने भी प्रतिभागियों के कई बातों की जानकारी दी। इस मौके पर कई लोग मौजूद रहे।

किसानों-बागवानों के आएंगे अच्छे दिन

उठाऊ सिंचाई योजना के संवर्द्धन और सुधार से 48 हेक्टेयर भूमि होगी तर

जानकारी

- सिंचाई के लिए बारिश पर नहीं रहना पड़ेगा निर्भर
- फतेहपुर हलके के बाशिंदों को मिलेगा योजना का लाभ

संवाद सहयोगी, नूरपुर : फतेहपुर क्षेत्र के किसानों और बागवानों को अब खेत-खलिहानों और बगीचों की सिंचाई के लिए बारिश पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इसके लिए आइपीएच विभाग ने रिसाव कुआं (पौंग जलाशय रिसाव जल) पर निर्मित बेली उठाऊ सिंचाई योजना के संवर्द्धन और सुधार की शुरुआत की है। इसका शिलान्यास मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने 20 जनवरी को फतेहपुर में किया है। नाबार्ड के तहत 103 लाख की लागत की इस उठाऊ सिंचाई योजना के संवर्द्धन और सुधार से बेली गांव के 36 किसान परिवारों की 48.07 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी। इस क्षेत्र की मिट्टी काफी उपजाऊ है, लेकिन सिंचाई सुविधा न होने से किसानों को मौसम पर ही निर्भर रहना पड़ता है। कई बार मौसम की बेरुखी से निराश हो कर किसान-बागवान इस कार्य से मुख मोड़ कर दूसरे कामधंधों को तरजीह देना शुरू कर देते हैं। किसानों-बागवानों के इसी दर्द को समझते हुए सरकार ने सिंचाई सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर बल दिया है। इस परियोजना के तहत एक पंपघर, एक वितरण टैंक के साथ 17 नंबर निकास हौदी का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। जिला कांगड़ा में चालू वित्त वर्ष के दौरान 590 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध करवाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य मंडल फतेहपुर में इस वर्ष के लिए विभाग ने 50 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा मुहैया करवाने का लक्ष्य रखा है। सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग ने इस वित्त वर्ष में फतेहपुर विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न योजनाओं पर 11 करोड़ 97 लाख रुपये व्यय करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस परियोजना के बनने के बाद बेकार पड़ी भूमि पर फसल लहलाएगी। सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य मंडल फतेहपुर के अधिशाषी अभियंता सुशील कटोच का कहना है कि फतेहपुर हलके में पेयजल तथा सिंचाई योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। भविष्य में इन परियोजनाओं के पूर्ण होने पर लोगों को लाभ मिलेगा। उनका कहना है कि बेली उठाऊ सिंचाई योजना के संवर्द्धन और सुधार से क्षेत्र के किसानों-बागवानों को अब मौसम पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

फूड प्रोसेसिंग से आय बढ़ाने के तरीके बताए

संवाद सहयोगी, पालमपुर : इंडियन एसोसिएटिड चैंबर ऑफ कॉमर्स व उद्योग (एसोचैम) के सौजन्य से खाद्य प्रसंस्करण (फूड प्रोसेसिंग) में मध्यम, लघु व सूक्ष्म उद्योगों की स्थापना के लिए सरकार की योजनाओं पर कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर में जागरूकता सम्मेलन लगाया गया।

जिले के लगभग 50 किसानों, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों तथा गृह विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विषय विशेषज्ञों ने खाद्य मूल्य श्रृंखला व खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों (फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री) की स्थापना के बारे में व आयात-निर्यात पर जानकारियां दीं, ताकि वे इस क्षेत्र में कौशलता बढ़ाकर आय में वृद्धि कर सकें। कृषि विवि के पूर्व कुलपति डॉ. एसके शर्मा ने सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए फूड प्रोसेसिंग व कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्द्धन (वैल्यू एडीशन) से आय बढ़ाने पर बल दिया। शोध निदेशक डॉ. डीके वत्स ने प्रसंस्करण कर उत्पाद मूल्य संवर्धित करने वाली प्रमुख फसलों पर ज्ञान बांटा। सम्मेलन में हरविंद्र सिंह, राजेश कुमार व दीपांकर खरे ने विभिन्न खाद्य उद्योगों तथा उनके लिए बैंकों की ओर से दी जा रही सहायता पर विचार रखे। कार्यक्रम में डॉ. संगीता सूद ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया।

कृषि विवि पालमपुर में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि ● जागरण

किसानों की आय बढ़ाने में खाद्य प्रसंस्करण की भूमिका महत्वपूर्ण

पालमपुर, 31 जनवरी (भृगु) : खाद्य प्रसंस्करण पर कार्यशाला का आयोजन कृषि विश्वविद्यालय में किया गया। मध्यम, लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों की खाद्य प्रसंस्करण में भागेदारी को लेकर आयोजित इस कार्यशाला का आयोजन एसोसिएटड चैंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा किया गया।

इस कार्यशाला में कांगड़ा जनपद के लगभग 50 किसानों के अतिरिक्त गृह विज्ञान महाविद्यालय के छात्रों तथा वैज्ञानिकों ने भी उपस्थिति दर्ज करवाई। कार्यशाला में खाद्य प्रसंस्करण, प्रौद्योगिकी तथा आयात-निर्यात के संबंध में जानकारी प्रदान की ताकि इस उद्यमिता से जुड़े व्यवसायियों की आय को बढ़ाया जा सके।

कार्यशाला का शुभारंभ कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डा. एस.के. शर्मा ने किया।

पालमपुर : कार्यशाला में भाग लेते मुख्यातिथि डा. एस.के. शर्मा व अन्य। (भृगु)

इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि खाद्य प्रसंस्करण का वर्तमान में महत्व है। उन्होंने कहा कि मूल्यवर्धन तथा खाद्य प्रसंस्करण किसानों की आय को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर शोध निदेशक डा. डी.के. वत्स ने प्रदेश की खाद्यान्न फसलों के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर हरविंद्र सिंह, राजेश कुमार, दीपांकर खरे व संगीता सूद भी उपस्थित रहीं।

किसानों को बांटी अहम जानकारी

पालमपुर। चौधरी सरवण कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय में गुरुवार को भारतीय एसोसिएटिड चैम्बर ऑफ़ कार्मस व उद्योग (एसोचैम) के सौजन्य से खाद्य प्रसंस्करण में मध्यम, लघु व सूक्ष्म उद्योगों की स्थापना हेतू सरकार की योजनाओं पर एक दिवसीय जागरूकता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कांगड़ा जिला के लगभग पचास किसानों, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों तथा गृह विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने इस जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया। विशेषज्ञों ने कार्यक्रम में प्रतिभागियों को खाद्य मूल्य श्रृंखला, खाद्य-प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना के बारे व आयात-निर्यात के बारे विस्तार से जानकारियां दी ताकि वे कौशलता बढ़ाकर अपनी आय बढ़ा सकें। विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डा. एसके शर्मा ने सम्मेलन का उद्घाट्न किया तथा खाद्य-प्रसंस्करण व कृषि उत्पादों के मूल्य संबंर्द्धन द्वारा आय बढ़ाने पर बल दिया। इस अवसर पर डा. संगीता सूद ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया।

Divya Himachal Page 4 1 February, 2019

कृषि विवि में खाद्य मूल्य श्रृंखला पर बांटी जानकारी

पालमपुर। प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय एसोसिएटिड चैंबर ऑफ कार्मस व उद्योग (एसोचैम) के सौजन्य से खाद्य प्रसंस्करण में मध्यम, लघु व सूक्ष्म उद्योगों की स्थापना हेतु सरकार की योजनाओं पर एकदिवसीय जागरूकता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कांगड़ा जिला के लगभग पचास किसानों, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों तथा गृह विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने इस जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया। विशेषज्ञों ने कार्यक्रम में प्रतिभागियों को खाद्य मूल्य श्रृंखला, खाद्य-प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना के बारे व आयात-निर्यात के बारे विस्तार से जानकारियां दीं, ताकि वे कौशलता बढ़ाकर अपनी आय बढ़ा सकें। विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डा. एसके शर्मा ने सम्मेलन का उद्घाटन किया तथा खाद्य-प्रसंस्करण व कृषि उत्पादों के मूल्य संबर्द्धन द्वारा आय बढ़ाने पर बल दिया। इस अवसर पर शोध निदेशक डा. डीके वत्स ने उन प्रमुख फसलों के बारे विस्तार से जानकारी दी, जिनका प्रसंस्करण करके उनका उत्पाद मूल्य संबर्द्धित किया जा सकता है। कार्यक्रम में मैसर्ज हरविंद्र सिंह, राजेश व दीपांकर खरे ने विभिन्न खाद्य उद्योगों व उनके लिए बैंकों द्वारा दी जा रही सहायता पर विचार रखे। इस अवसर पर डा. संगीता सूद ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया।

कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन से किसानों की आय बढ़ाए

हिमाचल दस्तक। पालमपुर

हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर में वीरवार को भारतीय एसोसिएटिड चैंबर ऑफ कॉमर्स व उद्योग (एसोचैम) के सौजन्य से खाद्य प्रसंस्करण में मध्यम, लघु व सूक्ष्म उद्योगों की स्थापना के लिए सरकार की योजनाओं पर एक दिवसीय जागरुकता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कांगड़ा जिला के लगभग पचास किसानों, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों तथा गृह विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने इस जागरुकता कार्यक्रम में भाग लिया। विशेषज्ञों ने कार्यक्रम में प्रतिभागियों को खाद्य मूल्य श्रृंखला, खाद्य-प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना के बारे व आयात-निर्यात के बारे विस्तार से जानकारियां दी। विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एसके शर्मा ने सम्मेलन का उद्घाटन किया तथा खाद्य-प्रसंस्करण व कृषि उत्पादों के मूल्य संबर्द्धन द्वारा आय बढ़ाने पर बल दिया। इस अवसर पर शोध निदेशक डॉ. डीके वत्स ने उन प्रमुख फसलों के बारे विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में मैसर्ज हरविंद्र सिंह, राजेश व दीपांकर खरे ने विभिन्न खाद्य उद्योगों तथा उनके लिए बैंकों द्वारा दी जा रही सहायता पर विचार रखे।

◆कृषि विवि में पूर्व कुलपति का विशेषज्ञों से आह्वान

हिमाचल दस्तक ब्यूरो। धर्मशाला

उच्च शिक्षा विभाग जिला के स्कूलों में खराब पड़ी बायोमीट्रिक मशीनों की मरम्मत करवाएगा। इसके लिए संबंधित स्कूलों को दो दिन के भीतर खराब बायोमीट्रिक मशीनें उच्च शिक्षा उपनिदेशक कार्यालय को भेजनी होंगी, जहां कंपनी के इंजीनियर्स इन मशीनों की मरम्मत करेंगे।

जानकारी के अनुसार जिला भर चल में रहे 347 राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में 50 के लगभग बायोमीट्रिक मशीनें खराब पड़ी हैं, जिनकी मरम्मत की जानी है। खराब बायोमीट्रिक मशीनों को ठीक करवाने के लिए कंपनी के इंजीनियर्स 1 फरवरी को उपनिदेशक उच्च शिक्षा कार्यालय